अच्छी खबर • केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म कृत्रिम गर्भाधान का लेगा सहारा, पशुपालकों और किसानों को भी हर नस्ल के बारे में दी जाएगी जानकारी

नॉर्थ इंडिया में लुप्त हो रही भेड़-बकरी की प्रजातियां हिसार में होंगी पैदा

महबूब अली | हिसार

केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म में जल्द ही सभी प्रकार की भेड़ से लेकर बकरी नजर आएंगी। फार्म के अधिकारियों का प्रयास है कि नॉर्थ इंडिया में पाए जाने वाली लुप्त होती जा रही भेड़ और बकरियों की प्रजातियों को व्यापक स्तर रखा जाए। नस्ल सुधार के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। किसानों को हर नस्ल के बारे में जानकारियां दी जाएंगी। हर नस्ल की भेड़ और बकरी के लिए विभाग कृत्रिम गर्भाधान का सहारा लेगा। यही नहीं जल्द ही पशुपालकों को भेड़, बकरी, मत्स्य पालन से उत्पादन बढ़ाने के संबंध में भी विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। इसकी अभी तारीख निर्धारित नहीं की गई है। केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म के निदेशक एके मल्हौत्रा ने बताया कि फार्म मे बीटल नस्ल की बकरियां पहले से ही मौजूद है मगर अन्य प्रजातियों की कमी है। हालांकि फार्म के अंदर करीब 4500 भेड़ और बकरियां मौजूद हैं। विभाग भेड़, बकरी की नस्ल सुधार को लेकर प्रयासरत है।

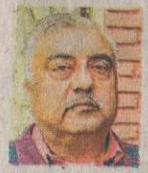

भेड़ प्रजनन फार्म के निदेशक डॉ. एके मल्हौत्रा।

इसके लिए जहां जल्द ही विभिन्न गांव में बीटल और अन्य नस्ल के लिए कृत्रिम गर्भाधान कराया जाएगा। वहीं फार्म के अंदर सभी प्रकार की भेड़ और बकरी की नस्ल भी मौजूद रहेगी। इसके बारे में पशुपालकों से लेकर किसानों को जानकारी दी जाएगी। निदेशक ने बताया कि सभी नस्ल की भेड़ और बकरी के लिए बाहर से भी पशु खरीदे जा सकते हैं। उधर, फार्म में घूमने वाले आवारा पशुओं पर अंकुश लगाने को फिर से नगर निगम के अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। निदेशक का कहना हे कि आवारा पशु कई बार भेड़ पर भी हमला बोल देते हैं।

उत्तराखंड, झारखंड, राजस्थान से मंगवाए जा रहे सीमेन के टीके : विभागीय अधिकारियों के अनुसार नस्ल सुधार के उद्देश्य से भेड़, बकरी के लिए उत्तराखंड, झारखंड और राजस्थान से भी टीके मंगवाए जा रहे हैं। जल्द ही किसानों को भी कृत्रिम गर्भाधान के लिए जागरूकता अभियान चलाकर प्रेरित किया जाएगा।

इन प्रजातियों को फार्म पर रखेंगे

- मांस के लिए मालपुरा, जैसलमेरी, मंडिया, मारवाड़ी, नाली शाबाबाद और छोटानागपुरी और बीकानेरी, मैरिनो, कोरीडायल, रामबुतू
- ऊन के लिए मुख्य रूप से मालापुरा, जैसलमेरी, मारवाड़ी, शहाबाबाद और छोटानागपुरी।

वर्ष 1968-70 में की गई थी केंद्र की स्थापना

हिसार में केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म की स्थापना वर्ष 1968-70 में की गई थी। यह केंद्र उस समय आस्ट्रेलियन सरकार की सहयोग से स्थापित किया गया था। उस समय हरियाणा सरकार ने फार्म को एक रुपए की लीज पर लगभग 6484 एकड़ जमीन दी थी। परंतु 1997 में प्रदेश सरकार ने फार्म से 4028 एकड़ जमीन वापस ले ली। फार्म के पास अब केवल 2456 एकड़ जमीन की बची है।

बकरी की अन्य नस्लें

- **ब्लैक बंगाल :** इस जाति की बकरियां पश्चिम बंगाल, झारखंड, असोम, में पाई जाती हैं।
- **जमुनापारी :** जमुनापारी भारत में पाई जाने वाली अन्य नस्लों की तुलना में सबसे ऊंची तथा लम्बी होती है। यह उत्तर प्रदेश के इटावा जिला एवं गंगा, यमुना तथा चम्बल नदियों से घिरे क्षेत्र में पाई जाती है।
- **बीटल :** बीटल नस्ल की बकरियां मुख्य रूप से पंजाब प्रांत के गुरदासपुर जिला के बटाला अनुमंडल में पाया जाता है। पंजाब से लगे पाकिस्तान के क्षेत्रों में भी इस नस्ल की बकरियां उपलब्ध हैं।
- **बारबरी :** बारबरी मुख्य रूप से मध्य एवं पश्चिमी अफ्रीका में पायी जाती है।